आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया

M.Com. (Silver Medalist), C.A.I.I.B., A.I.B.(London),
F.C.I.B.(London), A.C.B.I.(England), F.C.I.(London),
A.I.M.M., A.M.I.M.A., A.I.I.B.(Mumbai)
Retired Principal, *Central Staff Training College of UCO Bank*
Director - Centre for Public Awareness & Information

How to win over ANGER ? **क्रोध पर विजय** प्राप्त करके, क्रोध को अपनी **पॉजिटिव ऊर्जा** बनाएँ।
क्रोध को सही तरीके से करने की टेक्नीक सीखकर जीवन को सफल बनाएँ।

आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया भारतीय बैंकिंग जगत् के देदीप्यमान नक्षत्र रहे हैं। 32 वर्षों तक यूको बैंक में उच्च पदाधिकारी एवं प्राचार्य, स्टाफ ट्रेनिंग कालेज, कोलकाता के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की। आपने लेखन कार्य सन् 1978 में प्रारम्भ किया और बैंकिंग विषयों पर आपकी 10 विभिन्न पुस्तकें प्रकाशित हुई। आप बैंकिंग में ट्रेनिंग देने के विशेषज्ञ रहे हैं।

इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकर्स, लन्दन से प्रैक्टिस ऑफ बैंकिंग में ***विश्व में प्रथम स्थान*** प्राप्त करके जार्ज रे पुरस्कार प्राप्त करने वाले **प्रथम भारतीय** होने का गौरव आपने सन 1973 में प्राप्त किया। **चार्टर्ड इन्स्ट्टीयूट ऑफ बैंकर्स, लन्दन** (वर्तमान में **यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ फाईनेंस**) ने आपको ***फेलोशिप*** सन् 1975 में प्रदान की। **भारतीय बैंकिंग संस्थान, मुम्बई** ने आपको ***एसोसिएटशिप*** सन् 1976 में प्रदान की है।

बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी एण्ड साइन्स, पिलानी मानद प्रोफेसर सन् 1985–87 के रूप में निःशुल्क शिक्षण कार्य किया। **इंडियन सोसायटी फॉर ट्रेनिंग एण्ड डेवलपमेंट, नई दिल्ली** के सन् 1978 से आजीवन सदस्य रहे हैं।

चिकित्सा क्षेत्र से भी पिछले 48 वर्षों से जुड़े हुए हैं। सन् 1978 में **मीरा नर्सिंग होम** और सन् 1989 में जयपुर में **प्राइवेट हॉस्पिटल्स एण्ड नर्सिंग होम्स सोसायटी** की स्थापना करके अपनी निःशुल्क सेवाएं चिकित्सकों को प्रदान करते रहे। **मीरा अस्पताल** एवं **मीरा डेन्टल हॉस्पिटल** की स्थापना में अपना पूर्ण समर्पित योगदान देकर, **प्रबन्ध निदेशक** के रूप में आज भी अपना सक्रिय सहयोग दे रहे हैं।

आपका बचपन से ही धार्मिक रूझान रहा और गीता, रामायण, महाभारत के साथ ही वेदों और पुराणों का भी अध्ययन किया। युवावस्था में ही बाईबल, कुरान शरीफ, गुरू ग्रंथ साहेब आदि ग्रंथों का अध्ययन किया। शिक्षा के क्षेत्र में भी अग्रगण्य रहे और विक्रम विश्वविद्यालय की एम.कॉम. परीक्षा 1969 में रजत पदक प्राप्त किया। दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के साथ भी आपने आधुनिक शिक्षा में सुधार की आवश्यकता पर अपने विचारों का आदान–प्रदान किया था। दीक्षांत समारोह में डॉ. शंकर दयाल शर्मा विशेष अतिथि थे।

धार्मिक रूप से बचपन से जुड़े होने के कारण निर्वाण का साक्षात्कार करने की उच्च महत्त्वाकांक्षा बनी रही एवं ध्यान की विभिन्न विधियों को आजमाते हुए अन्त में सन् 1990 में विपश्यना विद्या सीखने का अवसर मिला और समाधि का साक्षात्कार और अभ्यास तब से निरंतर करते आ रहे हैं।

आपने विभिन्न संस्थानों में **क्रोध पर विजय** पर अपना उद्‌बोधन दिया है और उससे अनेकों लोगों ने लाभ उठाया है। आप निःशुल्क सेमीनार करते हैं।

दिशा टी.वी. द्वारा एक महीने तक धर्म के वैज्ञानिक स्वरूप को बताने के लिए विभिन्न विषयों पर वैज्ञानिक तरीके से प्रवचन देने का आपको अवसर मिला, जिससे लोगों के जीवन में सुख–शांति और समृद्धि आए। उन सभी 27 प्रवचनों में संकलित करके 8 प्रवचनों का संग्रह एक विडियो डी.वी.डी. में किया है। यह डी.वी.डी. आप मीरा अस्पताल से निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं।

सन् 2020 से संगीत की तीनों विधाओं– गायन, वादन एवं कथक नृत्य को सीखते हुए, यह संदेश दे रहे हैं कि सीखने के लिए उम्र बाधा नहीं होती है। भातखंडे संगीत विद्यापीठ, लखनउ की प्रथमा–द्वितीय वर्ष परीक्षा सन् 2021 को गायन और नृत्य दोनों परीक्षाएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है।